Seventeenth Loksabha

pan>

Title: Regarding making policy to curb encroachment into grazing land.

श्री उन्मेश भैय्यासाहेब पाटिल (जलगाँव): माननीय अध्यक्ष जी, आपने मुझे शून्य काल में अपनी बात रखने की अनुमति दी है, इसके लिए मैं आपका आभार प्रकट करता हूं ।

मैं आपके माध्यम से महाराष्ट्र के किसानों के हितों के संरक्षण के लिए सरकार के सामने बहुत महत्वपूर्ण मुद्दा लाना चाहता हूं । पिछले कुछ दिनों से महाराष्ट्र के किसान सड़कों पर आंदोलन कर रहे हैं । गैरान ग्रेज़िंग लैंड, जिसका इस्तेमाल पशुओं जैसे गाय और अन्य जानवरों के लिए करते हैं महाविकास आघाडी सरकार ने इसे थर्ड पार्टी को स्थानांतरित कर दिया है । सुप्रीम कोर्ट ने 20-21 सितंबर को गुजरात के महसाणा जिले में गैरान को एनक्रोचमेंट मुक्त रखने का आदेश दिया था । संसद में क्लाइमेट चेंज पर चर्चा हुई । पंत प्रधान जी ने जीरो बजट फार्मिंग पॉलिसी का ऐलान किया है । जो गैरान ग्रेज़िंग लैंड है, यहां घास होती है । मुझे लगता है कि ग्रास है तो एनीमल्स हैं, एनीमल्स हैं तो इकोलॉजी है, इकोलॉजी है तो एनवायर्नमेंट है, एनवायर्नमेंट है तो बायोडाइवर्सिटी है और बायोडाइवर्सिटी है तो इकोनॉमी है । 'ईट ऑर्गेनिक, बी डायनेमिक' का नारा दिया गया है ।

अगर देश को डायनेमिक रखना है तो गैरान को सुरक्षित रखना होगा । इसी दृष्टि से ग्रेज़िंग लैंड पर बढ़ते एनक्रोचमेंट को रोकने के लिए एक पॉलिसी बनाई जाए और तत्काल ग्रेज़िंग लैंड सेंसेस करके लैंड बाक बनाया जाए । धन्यवाद ।